>

Title: Need to carve out a new state of Harit Pradesh from the Western parts of Uttar Pradesh.

श्री सुरेन्द्र प्रकाश गोयल (हापुड़): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि विदित है नेय राज्य उत्तराखंड का निर्माण होने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश राज्य आज भी सबसे बड़ा राज्य है जिसमें 80 लोक सभा सीट और 403 विधान सभा सीट हैं। विकास की दृष्टि से प्रदेश का कुछ भूभाग दिल्ली, हरियाणा, पंजाब की तरह विकसित हुआ लेकिन अधिकांश भाग 60 साल पहले की स्थिति में ही है, जो कि बहुत ही पिछड़ा और अविकसित है। राज्यों के बुनियादी विकास के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़के, बिजली, पानी एवं रेल इत्यादि का होना बहुत जरूरी होता है लेकिन प्रदेश का बहुत बड़ा भूभाग अभी भी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। यह क्षेत्र राजनैतिक एवं प्रशासनिक रूप से भी बहुत कमजोर है। प्रदेश के पूरे भूभाग के विकास हेतु इसका विभाजन नितान्त आवश्यक हो गया है। उ0प्र0 राज्य की राजधानी और हाई कोर्ट पश्चिमी उ0प्र0 से बहुत दूर है, लोगों को सरकारी कार्यो के लिये लखनऊ जाना पडता है और इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्याय मिलने में जहां ज्यादा धन खर्चा होता है, वहीं दूसरी और न्याय मिलने में भी ज्यादा समय लगता है। गरीब आदमी, जो पश्चिमी उ0प्र0 का हे, वह तो हाई कोर्ट जाने का साहस ही नहीं जुटा पाता। इसलिये, मैं पश्चिम उ0प्र0 को हरित प्रदेश बनाने की पुरजोर मांग करता हूं।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि उ0प्र0 राज्य का एक बार पुनः विभाजन कर पश्चिमी उ0प्र0 को हरित प्रदेश बनाया जाये ताकि छोटे राज्यों के रूप में राज्य का विकास सुचारू ढंग से हो सके।